[श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी]

हैं और हमारे देश का इतना बड़ा सितारा अब नहीं रहा। अच्छा होता कि यह चेयर की तरफ से आता और सारा हाउस इसको ज्वाइन करता, हम उन्हें condolences pay करते, श्रद्धांजलि देते, यही उचित होता।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I agree with you fully. That is what I said, the whole House is totally agreeing with what Shri Tirkey said, and the hon. Minister has also said about the assistance being given. But references in such cases are usually made by the hon. Chairman. So, I will report it to the Chairman because it will be better not to do it *suo motu* from my side. Hon. Chairman will do it in a better way. That is what I am saying.

Withholding of funds allocated to District Boards

श्रीमती विप्लव ठाकुर (हिमाचल प्रदेश): माननीय उपसभापति महोदय, मैं एक बहुत ही गंभीर और विशेष मुद्दा उठाने जा रही हूं, जो पंचायती राज से संबंधित है। एनडीए की सरकार पंचायती राज को कमज़ोर पर कमज़ोर करती जा रही है, यह सरकार सारी चीज़ें सेंट्रलाइज़ करती जा रही है। मैं आपके सामने लाना चाहती हूं कि जिला परिषद, जिन्हें कई प्रदेशों में जिला पंचायत भी कहा जाता है, इनके सदस्य और जो ब्लॉक डेवलपमेंट समितियों के सदस्य हैं, वे जनता के द्वारा चुने जाते हैं और जिला परिषद के अध्यक्ष भी बनते हैं, ब्लॉक डेवलपमेंट समितियों के अध्यक्ष भी बनते हैं। पहले उन्हें फंड्स दिए जाते थे, जिन्हें वे अपने वाडर्स में डेवलपमेंट के काम के लिए खर्च करते थे, जिससे चुने हुए प्रतिनिधि होने के कारण उन्हें अपने-अपने एरिया में काम करने का मौका मिलता था, आज उनसे यह अधिकार छीन लिया गया है। Fourteenth Finance Commission ने डायरेक्ट पंचायतों को पैसा दे दिया, जो पहले 40 परसेंट या 30 परसेंट के करीब इन जिला परिषदों के मेम्बर्स को और ब्लॉक समितियों के मेम्बर्स को जाता था। जिससे कि वे अपने एरियाज़ में काम कर सकें। आज इतनी गंभीर समस्या पैदा हो गई है कि जो ग्राम सभाओं से प्रस्ताव जाता है, उसका एप्रूवल जिला परिषद या पंचायत ने देना होता है, वे आज ये काम नहीं कर रही हैं, वे काम करने से इन्कार कर रही हैं, क्योंकि उनके पास कोई फंड नहीं है, उनके पास कुछ करने के लिए नहीं है। इसलिए पंचायतों में ऐसी स्थिति पैदा हो रही है कि आज डेवलपमेंट के सारे काम ठप हैं। वहां पर कुछ काम नहीं हो रहा है, क्योंकि वे यह महसूस कर रहे हैं कि हम क्यों करें, जब हम इसमें भागीदार नहीं हैं। उनको हर राज्य भत्ता दे रहा है, उनको महीने का कोई एक हजार दे रहा है, कोई पांच हजार दे रहा है, कोई दस हजार दे रहा है। अपनी-अपनी आर्थिक स्थिति के मुताबिक राज्यों द्वारा उनको पैसा दिया जा रहा है। वे आज बिल्कुल मायूस होकर बैठे हैं। वे कोई काम नहीं कर रहे हैं। इसको या तो वैसे ही खत्म कर देना चाहिए, हम क्यों इलेक्शनों में पैसा खर्च करते हैं? हम लोगों ने हर स्टेट में इलेक्शन कमीशन बनाए हुए हैं, डी-लिमिटेशन होता है, वार्ड बनाए जाते हैं, इतना पैसा खर्च करते हैं और आज हमने उनको निकम्मा करके घर बैठा दिया है। इसलिए मैं चाहूंगी कि सरकार इसके ऊपर ध्यान दे। माननीय वित्त मंत्री जी, यहां पर बैठे हुए हैं। मैं उनसे अनुरोध करूंगी कि इस समस्या का समाधान करें अन्यथा ग्रामीण क्षेत्र बिना डेवलपमेंट के रह जाएंगे। वहां कोई काम नहीं होगी। अतः इनकी जो समस्या है, इसको पूरा करना चाहिए, इसके बारे में सोचना चाहिए। यह बहुत बड़ी गंभीर समस्या है। यही मैं कहना चाहती हूं।

श्रीमती कहकशां परवीन (बिहार): महोदय, मैं माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करती हूं।

श्री राम नाथ ठाकुर (बिहार): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्री आलोक तिवारी (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्री नीरज शेखर (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

चौधरी मुनव्वर सलीम (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

†**چودھری منور سلیم (اترپردیش):** مہودے، میں بھی مانیئے سدسیئے کے وکتوے سے خود کو سمب د کرتا ہوں۔

SHRI SHANTARAM NAIK (Goa): Sir, I also associate myself with the mention made by the hon. Member.

SHRI MADHUSUDAN MISTRY (Gujarat): Sir, I also associate myself with the mention made by the hon. Member.

SHRIMATI VANDANA CHAVAN (Maharashtra): Sir, I also associate myself with the mention made by the hon. Member.

SHRI K. K. RAGESH (Kerala): Sir, I also associate myself with the mention made by the hon. Member.

SHRI RITABRATA BANERJEE (West Bengal): Sir, I also associate myself with the mention made by the hon. Member.

SHRI RIPUN BORA (Assam): Sir, I also associate myself with the mention made by the hon. Member.

Rising inflation in country

श्री प्रमोद तिवारी (उत्तर प्रदेश): माननीय उपसभापति जी, मैं एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय पर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। शायद मुट्ठी भर लोग जो सत्ता पक्ष में बैठे हैं, उन्हें इसकी चिंता नहीं है, परन्तु सम्पूर्ण विपक्ष और आम आदमी यह महसूस करता है कि आम आदमी का जीना आज महंगाई की वजह से मुश्किल हो गया है। कीमतें तेजी के साथ बढ़ रही हैं। वायदा तो यह था कि अच्छे दिन लाने वाली सरकार आएगी, परन्तु अच्छे दिन तो नहीं, अब तो लोग कहने लगे हैं कि भैया, हमारे वाले बुरे दिन ही लौटा दो, वही बेहतर थे इस अच्छे दिन वाली सरकार से।

† Transliteration in Urdu script.